मूल्य - 5 रुपये

Tara
ज्योतिर्मय जीवन

तारांशु

हिन्दी मासिक

वर्ष-1, अंक - 3-4 (संयुक्तांक), पृ.सं.-20

दिसम्बर, 2011 - जनवरी, 2012

डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी, नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के आशीर्वाद से

संपादक :- कल्पना गोयल

मुख्य संरक्षक :- श्री एन.पी. भार्गव (दिल्ली)

ऑपरेशन थियेटर में ऑपरेशन प्रक्रिया का दृश्य।

''तारा नेत्रालय'' में मोतियाबिन्द के ऑपरेशन निःशुल्क किये जाते हैं।

कृपया

पारस

चैनल पर 'तारा' के सेवा प्रकल्पों का प्रसारण देखें
सोमवार से शुक्रवार,
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

निर्धन - निराश्रय बुजुर्गों के लिए निःशुल्क भोजन - वस्त्र आवासीय सुविधा युक्त ''वृद्धाश्रम'' प्रस्तावित उद्घाटन

दिनांक – शुक्रवार, 03 फरवरी, 2012

तारा संस्थान

236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com, tara_sansthan@rediffmail.com Website : www.tarasociety.org

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक कल्पना गोयल के लिए न्यू ट्रेक प्रेस, उदयपुर में मुद्रित

तारा संस्थान को मेरा आशीर्वाद.....

निर्वाणी पीठाधीश्वर,
आचार्य महामण्डलेश्वर डॉ. कैलाश 'मानव'

मैं अपने शुभाशीर्वाद और हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि 'तारा संस्थान' पीड़ित मानवता की सेवा में कीर्तिमान स्थापित करे।

मैं सभी करुणाशील सेवा-भावी दानदाताओं से निवेदन करता हूँ, वे उदारमन और मुक्तहस्त हो कर 'तारा संस्थान' के सभी सेवा – प्रकल्पों में दान सहयोग करें।

शुभाशीर्वाद और सद्भावनाओं के साथ.....

निर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
डॉ. कैलाश 'मानव'
(पद्मश्री अलंकृत)
मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

'तारा' सेवा - प्रकल्पों के साक्षी

नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट) उदयपुर के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक डॉ. कैलाश मानव एवं श्रीमती कमला देवी अग्रवाल का 'तारा संस्थान' में स्वागत

स्वागत उद्बोधन करते हुए 'तारा' संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल

मारुति ट्रस्ट, लीस्टर (इंग्लैण्ड) के सी.ई.ओ. श्री बच्चू भाई कोटेचा तारा के सेवाशिविर में

भारत वेल्फेयर ट्रस्ट, लीस्टर (इंग्लैण्ड) के संचालक श्री कान्तिभाई उन्नडकान्त (दाएँ से द्वितीय) का तारा में स्वागत करते श्री दीपेश मित्तल एवं श्रीमती कल्पना गोयल

श्री हॅसमुख भाई गोहिल (लन्दन) तारा नेत्रालय में

'तारा संस्थान' के बर्मिंघम (इंग्लैण्ड) केन्द्र प्रभारी श्री कुलभूषण राय पाराशर 'तारा नेत्रालय' के वार्ड में रोगी बन्धुओं की जानकारी प्राप्त करते हुए

आनन्द वृद्धाश्रम

....एक व्यथा वेदना,

यह एक विषादभरा सत्य है। इसके पात्र का कोई भी नाम, धर्म, जाति या स्थान हो सकता है। ये कहीं भी, आस-पास, अड़ोस - पड़ोस, गाँव-गली, सड़क-चौराहा आदि स्थानों पर गुमनाम से दर-दर किसी सुकून भरे आश्रय की चाह में भटकते देखे जा सकते हैं। इनका जीवन एक ऐसा तथ्यात्मक प्रमाण है, जिसे हम अपने-अपने सामाजिक बोध के चश्मे से देखकर स्वयं को तटस्थ, निरपेक्ष, विचलित, कातर, छिद्रान्वेषी, शर्मिन्दा, या दयार्द्र और कर्त्तव्य - परापण मान सकते हैं। पर, कुल-मिलाकर स्थिति दयनीय और पीड़ादायक है, उचित समाधान की आवश्यकता है, तत्काल कुछ करने की जरूरत है। यह मानवीय संवेदनशीलता की कसौटी भी है। आइये, आप भी परिचित हो लें।

आयु 77 वर्ष, सार्वजनिक उपक्रम में 36 वर्ष की सेवा, 2 वर्ष पूर्व पत्नी का निधन, दो पुत्र, दोनों ही विवाहित और अपने - अपने बच्चों तथा पत्नियों के साथ आराम से गुजर - बसर करते हुए। सेवानिवृत्ति के समय 5-6 लाख रु. मिले। इसमें से करीब 2 लाख का कर्ज - जो पुत्र के विवाह, उनकी पढ़ाई, परवरिश पर हुआ था, चुकाया। 1994 में सेवा-निवृत्ति के बाद से दो वर्ष पूर्व तक सपत्नीक छोटे पुत्र के साथ अजमेर में रहते रहे और पास बचे रुपयों से अपना गुजारा करते रहे। 2 वर्ष पूर्व पत्नी को हृदयाघात हुआ और पास में शेष बचे 2 लाख रु. इलाज पर व्यय करने पर भी उसे बचा नहीं सके। अब निपट अकेले, एक कौड़ी भी हाथ में नहीं। पत्नी के निधन के 1-2 महीने बाद ही बहू-बेटे ने इन्हें अपने साथ रखने से मना कर दिया। दु:खी मन से बड़े बेटे के पास उदयपुर आये। यहाँ भी वही पितृ-भक्ति। घर से निकाले गये। मित्रों, परिचितों, मठों, मन्दिरों में 2 साल से भटकते रहे, पर कहीं भी रहने को आश्रय और 2 समय भर-पेट भोजन की आश्वस्ति नहीं मिल सकी। हताश-निराश, लोगों से भोजन सहायता माँग-माँग कर, मारे-मारे से भटकते रहे। किसी सज्जन पुरुष ने 'तारा संस्थान' का पता बताया। पूछते - भटकते आखिर पहुँच गये। अब तारा के वृद्धाश्रम में आश्रय पाकर आश्वस्त और प्रसन्न हैं। बात करते - करते आँखें गीली हो गईं और रुँधे गले से बोल उठे - 'बाबूजी! घरवाली की मौत के बाद 2 साल में कल पहली बार भर-पेट खाना खाया है।'

इनके लिए है आनन्द वृद्धाश्रम। आप भी शायद इनसे मिलना चाहेंगे। पधारिये! शुक्रवार, 03 फरवरी, 2012 को 'आनन्द वृद्धाश्रम' के उद्घाटन में आपका स्वागत है।

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष

तारा संस्थान के सेवा प्रकल्प

तारा संस्थान का आनन्द वृद्धाश्रम

पीड़ित मानवता के हृदय-स्पर्शी दृश्य हमें कहीं भी, यत्र-तत्र-सर्वत्र देखने को मिल जाते हैं। गरीबी, बीमारी, वृद्धावस्था, संतानहीनता, एकाकीपन, परिजनों द्वारा दुर्व्यवहार, परित्याग आदि कई ऐसे कारण हैं, जिनसे व्यक्ति पीड़ा और दु:ख-दर्द का मूर्तिमान जीवन्त रूप बन जाता है। आपने विपन्नावस्था में जकड़े हुए ऐसे कई चेहरे देखे होंगे, जिन्हें देखकर आपकी संवेदनशीलता विषाद में डूबी होगी, और जिनके लिए कुछ सार्थक सहायता-सेवा करने की प्रबल भावना आपके मन में जागृत हुई होगी। 'तारा संस्थान' ने ऐसे ही संवेदनशील, करुणहृदय महानुभावों की भावनाओं को क्रियात्मक रूप देने के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' का संचालन प्रारंभ किया है। 'आनन्द वृद्धाश्रम' में अभावग्रस्त, अशक्त, बेसहारा, एकाकी वृद्धबन्धुओं के भोजन-वस्त्र-चिकित्सा देखभाल - आवास की सर्वथा नि:शुल्क सेवा-सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

'तारा संस्थान' द्वारा संचालित 'आनन्द वृद्धाश्रम' का विधिवत् उद्घाटन शुक्रवार, 03 फरवरी, 2012 को सम्पन्न हो रहा है। इस अभिनव पुनीत अवसर पर 'तारा संस्थान' में पधार कर वृद्ध असहाय बन्धुओं के लिए किये जा रहे सेवा कार्यों को प्रत्यक्ष करने हेतु सादर आमंत्रण हैं।

आनन्द वृद्धाश्रम - मुख्य बिन्दु

आधारभूत संरचना, प्रदत्त सुविधाएँ, उपलब्ध व्यवस्थाएँ -

● 3 बड़े, खुले, हवादार कक्ष, 25 पलंग, सामान रखने के लिए अलमारियाँ। ● साफ-सुथरे गद्दे, चद्दर, तकिये, कम्बल, धुलाई-सफाई की व्यवस्था। ● एक बड़ा भोजन कक्ष, एक साथ भोजन-नाश्ते के लिए। ● एक बड़ा बैठक कक्ष-टी.वी., सोफे, कुर्सी सहित। ● पुस्तकालय/वाचनालय - पुस्तकें, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि की व्यवस्था। ● चिकित्सक उपलब्ध, प्रति सप्ताह शारीरिक जाँच, स्वास्थ्य परीक्षण हेतु। ● प्रात: चाय/दूध, नाश्ता, मध्याह्न-रात्रि भोजन में एक सब्जी, दाल, चावल, चपाती, दही, सायं - चाय, बिस्किट या कोई हल्का खाद्य, मौसमी फल आदि। ● आनन्द वृद्धाश्रम भवन, प्रकाश युक्त, हवादार, खुले परिसर में होने से घूमने-फिरने, उठने-बैठने, विश्राम करने की दृष्टि से सर्वथा अनुकूल।

---

^vkuUn o`)kJe' ,d iz;kl gS & o`)tuksa dks 'kkjhfjd ,oa ekufld lq[k&larqf"V nsdj

muds thou esa [kqf'k;ksa ds iy o<+kus dk] vkSj rdyhQksa ds vglkl dks de djus dkA

पात्रता

'आनन्द वृद्धाश्रम' उन बुजुर्ग बन्धुओं के लिए है, जो निर्धन, निराश्रय, एकाकी एवं कोई काम-श्रम करने में अशक्त हैं, या जो गरीबी के कारण परिवार द्वारा तिरस्कृत, अपमानित, परित्यक्त जीवन जी रहे हैं, और जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। उपर्युक्त व्यवस्थाओं और सुविधाओं सहित प्रत्येक वृद्धजन के 'आनन्द वृद्धाश्रम' में नि:शुल्क आवास पर तारा संस्थान 5000रु. मासिक व्यय कर रहा है।

आनन्द वृद्धाश्रम - मासिक व्यय विवरण

- भोजन-नाश्ता, चाय, दूध, फल - 3000/-
- दवाइयाँ - 700/-
- कपड़े, जूते, चप्पल, मौजे आदि - 800/-
- बिजली-पानी खर्च, तेल, साबून, स्टाफ वेतन, चिकित्सक शुल्क, कपड़ा धुलाई आदि - 500/-

प्रति बुजुर्ग प्रतिमाह कुल व्यय - 5000/-

आपसे निवेदन

कृपया अपनी भावना और इच्छानुरूप रु. 5000/- प्रतिमाह की दर से इन बुजुर्गों के आश्रय हेतु सहयोग प्रायोजित करें।

03 माह रु. 15000, 06 माह रु. 30000, 01 वर्ष रु. 60000

'वृद्धाश्रम' के आवासियों में से कुछ बुजुर्ग चेहरे

मेहताब कुंवर, आयु 70, मानकन (सनवाड़)

उदयसिंह जी, आयु 80, मानकन (सनवाड़)

उमा जी मीणा, आयु 65, अलसीगढ़

हकरी बाई, आयु 55, अलसीगढ़

लक्ष्मी बाई, आयु 70, अलसीगढ़

नवली बाई, आयु 60, अलसीगढ़

हकरी बाई, आयु 70, अलसीगढ़

थावरी बाई, आयु 65, अलसीगढ़

सेवा प्रकल्पों के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से तारा संस्थान ने केन्द्र एवम् सम्पर्क कार्यालय स्थापित किये हैं। सेवा - प्रकल्प और दान-सहयोग सम्बन्धी जानकारी के लिए आप अपने निकटवर्ती क्षेत्र में स्थित सम्पर्क कार्यालय या केन्द्र से सम्पर्क कर सकते हैं।

मोतियाबिन्द ऑपरेशन

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यत: पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द-ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा नि:शुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। नि:शुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

04 नवम्बर, 2011 तक आयोजित शिविर - संक्षिप्त विवरण

शिविर स्थल	दिनांक	कुल ओपीडी	कुल ऑपरेशन	चश्में वितरित
झाड़ोल (राज.)	27 फरवरी, 2011	138	22	37
चावण्ड (राज.)	10 अप्रैल, 2011	150	32	53
सोनीपत (हरि.)	17 अप्रैल, 2011	263	22	14
भीलवाड़ा (राज.)	22 अप्रैल, 2011	48	12	17
सीकर (राज.)	29 मई, 2011	148	38	14
निन्दड़ (राज.)	08 जून, 2011	150	19	13
अजमेर (राज.)	19 जून, 2011	46	8	–
सिरसा (हरि.)	03 जुलाई, 2011	150	21	24
धुनैला (हरि.)	10 जुलाई, 2011	139	13	27
गोगुन्दा (राज.)	07 अगस्त, 2011	110	14	15
कोटा (राज.)	04 सितम्बर, 2011	155	32	–
फतेहाबाद (हरि.)	04 सितम्बर, 2011	482	132	–
मंगलवाड़ (राज.)	18 सितम्बर, 2011	59	12	–
मथानिया (राज.)	25 सितम्बर, 2011	107	12	–
कालाडेरा (राज.)	08 अक्टूबर, 2011	127	09	–
मण्डावा (राज.)	16 अक्टूबर, 2011	140	25	–
बुलन्दशहर (उ. प्र.)	04 नवम्बर, 2011	331	74	

पाठकों के पत्र

श्री नीरज झांजी, 58, बस्ती नौ, जलान्धर (पंजाब) ने लिखा है – तारा संस्थान असहाय तथा निराश हो चुके मानव जीवन के अंगों के लिए एक आशा की किरण होगा, तथा उनकी आँखों का तारा होगा। गगन के तारे तो सूर्य की किरणों से आँखों से ओझल होने लगते हैं परन्तु ये तारा सदैव प्रकाशमान रहेगा तथा उन तमाम सहयोगियों के कारण जिनकी बदौलत ये अस्तित्व में आ रहा है, उनके सहयो के हौसले को और बुलन्द करेगा। बड़ी खुशी व्यक्त होती है जब आपके कार्यों तथा क्रिया – कलापों को आपकी पत्रिकाओं के माध्यम से पढ़ने का अवसर मिलता है। बचपन, जवानी के बाद मानव शरीर में ऐसी अवस्था आती है जब अपने भी इस शरीर का साथ छोड़ने लगते हैं तथा बहुत बार पढ़ने देखने व सुनने को मिलता है कि उसने उनको घर से निकाल दिया, या वो निराश होकर खुद घर से चले गये। ऐसे में जाएँ तो कहाँ जाएँ। शरीर भी साथ नहीं देता तथा फिर कुछ सहारा उनकी बदौलत मिल जाता है जहाँ पर जीवन का बाकी बचा खुचा भाग व्यतीत करने को मन मान लेता है। भगवान न करे कि किसी भी जीवन को ऐसे सहारे की आवश्यकता हो परन्तु फिर भी होनी हो जाती है जो हमने नहीं सोचा होता है। शुक्रवार 03 फरवरी, 2012 के शुभ अवसर पर उद्घाटन किये जा रहे आनन्द रूपी इस वृद्धाश्रम में बसन्त रूपी ऋतु सदैव हर्षोल्लास के साथ मुस्कुराती रहे यही मंगल कामना परम माता – पिता परमात्मा के चरणों में करता हूँ।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह नवम्बर-दिसम्बर, 2011 - जनवरी, 2012 में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण - पंजीकरण व जाँच दृश्य

करनाल शिविर

दिनांक : 13 नवम्बर, 2011 (रविवार) स्थान : गवर्नमेण्ट हाई स्कूल, पबाना हसनपुर, करनाल (हरियाणा)
सौजन्यकर्त्ता : श्री जैन धर्मार्थ औषधालय, पबाना हसनपुर
कुल ओ.पी.डी. - 518, ऑपरेशन के लिए चयनित - 230 जाँचकर्त्ता चिकित्सक - डॉ. सुनील गर्ग
ऑपरेशन - डॉ. सुनील गर्ग हॉस्पीटल, करनाल, शिविर प्रभारी - श्री अमित शर्मा

विदिशा शिविर

दिनांक : 18 नवम्बर, 2011 (शुक्रवार) स्थान : राजपुत धर्मशाला, राजपुत कॉलोनी, विदिशा (म.प्र.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, आनन्दपुर, विदिशा
कुल ओ.पी.डी. - 275, ऑपरेशन के लिए चयनित - 45

मेड़तासिटी शिविर

दिनांक : 20 नवम्बर, 2011 (रविवार) स्थान : बोकोदास मूलराज बंगला, मेड़तासिटी, नागौर (राजस्थान)
सौजन्यकर्त्ता : श्री केवलचन्द्र लालचन्द्र अग्रवाल, मेड़तासिटी
कुल ओ.पी.डी. - 151, ऑपरेशन के लिए चयनित - 20 जाँचकर्त्ता चिकित्सक - डॉ. महेन्द्र कोठारी
ऑपरेशन - कोठारी आई हॉस्पीटल, शिविर प्रभारी - श्री राजेन्द्र गर्ग

कठार शिविर

दिनांक : 20 नवम्बर, 2011 (रविवार) स्थान : ग्राम पंचायत भवन, कठार, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : मारुति ट्रस्ट, लीस्टर (इंग्लैण्ड)
(श्री बच्चू भाई कोटेचा, श्री जयन्ती भाई कोटेचा, रंजन बेन पटेल)
कुल ओ.पी.डी. - 128, ऑपरेशन के लिए चयनित - 22 ऑपरेशन - तारा नेत्रालय, उदयपुर

धारता शिविर

दिनांक : 20 नवम्बर, 2011 (रविवार) स्थान : राजकीय सेकण्डरी स्कूल, धारता, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : तारा संस्थान, उदयपुर
कुल ओ.पी.डी. – 123, ऑपरेशन के लिए चयनित – 22
ऑपरेशन – तारा नेत्रालय, उदयपुर, शिविर प्रभारी – श्री जगदीश मुण्डानिया

नासिक शिविर

दिनांक : 21 नवम्बर, 2011 (सोमवार) स्थान : नेमानी बंगला, पंचवटी, नासिक (महाराष्ट्र)
सौजन्यकर्त्ता : अग्रवाल सखी मंच, नासिक
कुल ओ.पी.डी. – 275, ऑपरेशन के लिए चयनित – 50 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. सचिन कासलीवाल
ऑपरेशन – नेत्र ज्योति हॉस्पीटल, नासिक, शिविर प्रभारी – श्री जिम्मी सोनी

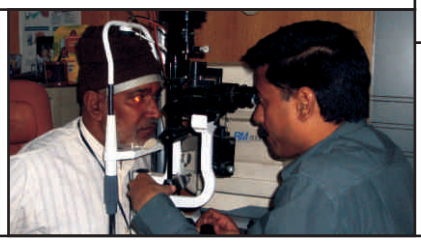

रावलिया खुर्द शिविर

दिनांक : 27 नवम्बर, 2011 (रविवार) स्थान : रा.मा. विद्यालय, रावलिया खुर्द, उदयपुर (राजस्थान)
सौजन्यकर्त्ता : तारा संस्थान, उदयपुर
कुल ओ.पी.डी. – 115, ऑपरेशन के लिए चयनित – 15 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. जितेन्द्र सिंह
ऑपरेशन – तारा नेत्रालय, उदयपुर, शिविर प्रभारी – श्री कालू लाल पटेल

फतेहा बाद शिविर

दिनांक : 04 दिसम्बर, 2011 (रविवार) स्थान : श्री शीमराज बतरा धर्मशाला, मॉडल टाऊन, फतेहाबाद (हरि.)
सौजन्यकर्त्ता : हनुमान सेवा मण्डल व युवा अग्रवाल सभा, फतेहाबाद (हरि.)
कुल ओ.पी.डी. – 280, ऑपरेशन के लिए चयनित – 151

कठार शिविर

दिनांक : 09 दिसम्बर, 2011 (शुक्रवार) स्थान : ग्राम पंचायत भवन, कठार, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : तारा संस्थान, उदयपुर
कुल ओ.पी.डी. – 130, ऑपरेशन के लिए चयनित – 18
ऑपरेशन – तारा नेत्रालय, उदयपुर, शिविर प्रभारी – श्री प्रकाश आचार्य

चक्कर पुरा शिविर

दिनांक : 18 दिसम्बर, 2011 (रविवार) स्थान : कम्युनिटी सेण्टर, चक्करपुर, गुड़गाँव (हरियाणा)
सौजन्यकर्त्ता : श्री विनय जी गर्ग
कुल ओ.पी.डी. – 195, ऑपरेशन के लिए चयनित – 09 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. प्रवीण कुमार (गाजियाबाद)
ऑपरेशन – महावीर इन्टरनेशनल, दिल्ली

रणोली शिविर

दिनांक : 25 दिसम्बर, 2011 (रविवार) स्थान : जैन भवन, जैन मन्दिर के सामने, राणोली, सीकर
सौजन्यकर्त्ता : श्री कृष्ण खण्डेलवाल सेठी सिटी स्केन सेन्टर निवासी आकोला (महाराष्ट्र)
कुल ओ.पी.डी. – 115, ऑपरेशन के लिए चयनित – 24 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. नरेन्द्र चौहान
ऑपरेशन – बिन्दल आई हॉस्पीटल, सीकर

जगत शिविर

दिनांक : 15 जनवरी, 2012 (रविवार) स्थान : पंचायत भवन, जगत, तहसील – गिर्वा, जिला – उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : स्व. श्रीमती संतोष जी मित्तल की पावन स्मृति में पति श्री रमेश चन्द्र जी मित्तल (दिल्ली)
कुल ओ.पी.डी. – 70, ऑपरेशन के लिए चयनित – 14
ऑपरेशन – तारा नेत्रालय, उदयपुर

रेण मेड़तासिटी शिविर

दिनांक : 16 जनवरी, 2012 (सोमवार) स्थान : गायत्री भवन, चारभुजा मन्दिर के पास, रेण (मेडता सिटी), नागौर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री महेश जी, श्री दिनेश जी एवं श्री राजेश जी तिवारी निवासी, महाराष्ट्र
कुल ओ.पी.डी. – 264, ऑपरेशन के लिए चयनित – 32 ऑपरेशन – मित्तल हॉस्पीटल, अजमेर

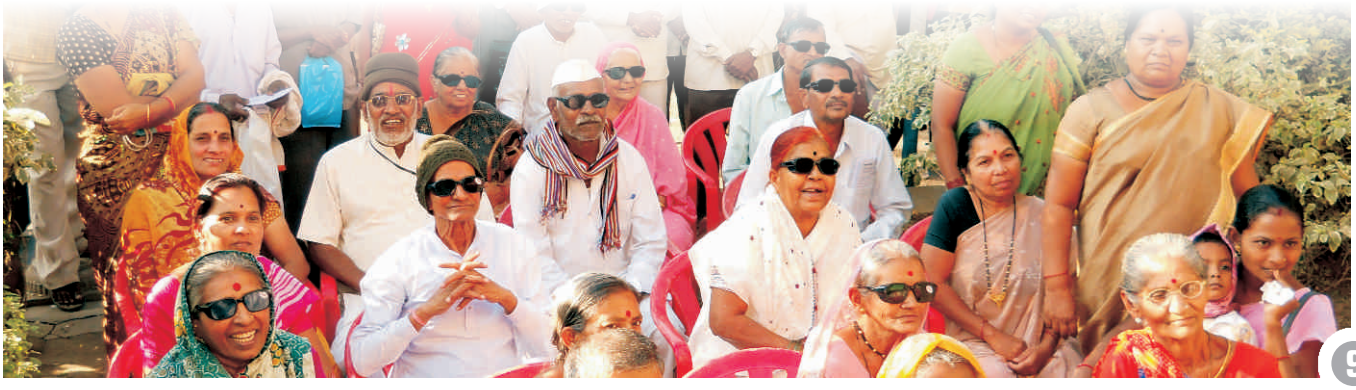

मोतियाबिन्द चिकित्सा (शिविर)

नि:शुल्क मोतियाबिन्द जाँच एवम् ऑपरेशन

'तारा नेत्रालय, उदयपुर' में आने वाले रोगियों की नि:शुल्क जाँच के पश्चात् मोतियाबिन्द ऑपरेशन भी नि:शुल्क किये जाते हैं। प्रत्येक रोगी और उसके एक परिजन के लिए भोजन - आवास व्यवस्था भी नि:शुल्क है।

दान-सहयोग सौजन्य शशि, प्रति ऑपरेशन - 3,000 रु.

नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द जाँच, ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

दान-दाता द्वारा प्रायोजित स्थान पर शिविर आयोजन, शिविर के लिए प्रचार-प्रसार कार्य, शिविर में उपस्थित रोगियों के नि:शुल्क नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन, शिविर में रोगियों को मध्याह्न भोजन। दान-दाता के नाम का शिविर विवरण सहित 'तारांशु' में उल्लेख, विवरण, फोटो दानदाता को प्रेषित किये जाएँगे।

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रतिशिविर (राजस्थान में) - 71,000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रतिशिविर (राजस्थान से बाहर) - 1,00,000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच शिविरों में चश्मा जाँच, चश्मा वितरण, दवाइयाँ आदि हेतु

शिविर सहायता -सामग्री सौजन्य राशि प्रति शिविर - 21,000 रु.

आजीवन संरक्षक - सौजन्य - 21000 रु. (संचित निधि में) आजीवन सदस्य - सौजन्य - 11000 रु. (संचित निधि में) (संचित निधि पर प्राप्त ब्याज से मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए जाएँगे।)

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन

कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा**

अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406
HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273

'तारा' केन्द्र प्रभारी

श्रीमान् एस.एन. शर्मा मुम्बई (महा.) मो. : 9869686830	श्रीमान् प्रेम कुमार जी माटा बांसवाड़ा (राज.) मो. : 9414101236	श्रीमान् प्रहलाद राय जी सिंघानिया हैदराबाद (आ.प्र.) मो. : 9849019051	प्रभा जी झंवर अमरावती मो. : 9823066500	श्रीमान् पवन सुरेका जी मधुबनी (बिहार) मो. : 9430085130
श्रीमान् विष्णु शरण जी सक्सेना भोपाल (म.प्र.) मो. : 9425050136	श्रीमान् नवल किशोर जी गुप्ता फरीदाबाद (हरियाणा) मो. : 9873722657	श्रीमान् अनिरुद्ध जी धुपकर उज्जैन (म.प्र.) मो. : 9993071937	श्रीमान् सुरेश जी चौधरी श्यामगढ़ (म.प्र.) मो. : 9926506323	श्री कुलभूषण पाराशर बर्मिंघम (इंग्लैण्ड) फोन (0044) 121 5320846, मो. (0044) 7815430077

'तारा' सम्पर्क कार्यालय

ए-44, संजय ग्राम, राजीव नगर, गुड़गाँव, श्री कमलेश जोशी, मो. 8285240611	2/ए, महेन्द्र अपार्टमेन्ट, राजेन्द्र नगर, बोरीवली (ई.) मुम्बई, श्री बंशीलाल मो. 9699257035, 7666680094	आर.जेड., 26-डी, 2 फ्लोर, प्रेम नगर, उत्तम नगर पश्चिम, दिल्ली - 59 श्री अमित शर्मा, मो. 9999071302

इन्हें भी मिली 'तारा' से नेत्र ज्योति

(नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन के पश्चात् रोगी बन्धु)

श्रीमती रूपवती
औरंगाबाद अहीर, बुलन्द शहर (यू.पी.)

श्रीमती ज्ञानवती
औरंगाबाद अहीर, बुलन्द शहर (यू.पी.)

श्री भूरालाल
धारता, उदयपुर (राज.)

श्रीमती धापु
धारता, उदयपुर (राज.)

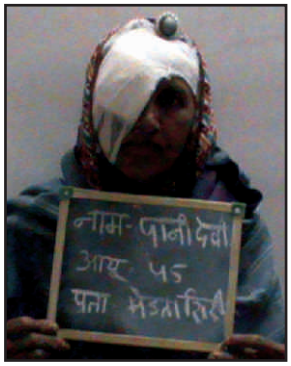

श्रीमती पानी देवी
मेड़तासिटी, नागौर (राज.)

श्री शंकर लाल
मेड़तासिटी, नागौर (राज.)

श्री लहानु चौधरी
नासिक (महाराष्ट्र)

श्री रामदास सिन्दे
नासिक (महाराष्ट्र)

श्री रामा जी
धार, उदयपुर (राज.)

श्रीमती चवली
धार, उदयपुर (राज.)

श्रीमती विमला देवी
उदयपुर (राज.)

श्रीमत बंशी लाल
उदयपुर (राज.)

श्रीमती वाली बाई
रामा, उदयपुर (राज.)

श्री उदा जी
रामा, उदयपुर (राज.)

श्री शंकर लाल
उदयपुर (राज.)

श्रीमती शारदा देवी
उदयपुर (राज.)

'तारा' द्वारा अब तक 1793 से अधिक मोतियाबिन्द ऑपरेशन सम्पन्न करवाए गये हैं।

तृप्ति योजना - असहाय बुजुर्गों को खाद्य सामग्री सहायता

चेहरों पर स्पष्ट दिखती झुर्रियाँ और आँखों की गहराइयों में झलकती असहाय अवस्था उनके जीवन संघर्षों की व्यथा का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने भी किसी की देख-भाल की होगी, किसी को सहारा दिया होगा, लेकिन .....। आज उनकी देख-भाल करते वाला कोई नहीं, यहाँ तक कि उन्हें दो-समय भरपेट भोजन भी नसीब नहीं। तारा संस्थान ने इन असहाय निर्धन, एकाकी बुजुर्ग बन्धुओं की यथा-शक्य सहायता का उपक्रम प्रारंभ किया है, जिससे इन निराश्रय बुजुर्ग बन्धुओं के लिए दो-समय भरपेट भोजन और मौसम की मार से बचने के लिए बिस्तर-कपड़े आदि की व्यवस्था सुलभ और सुनिश्चित की जा सके। इस उपक्रम के अन्तर्गत एक बुजुर्ग की सहायता पर 18000रु. (अठारह हजार रुपया) वार्षिक व्यय हो रहा है।

खाद्य राहत सामग्री के अतिरिक्त जरूरतमन्द बुजुर्गों को कपड़े - कम्बल आदि भी वितरित किये जाते हैं, व उनके टूटे-फूटे झोपड़ों की मरम्मत और रख-रखाव के लिए भी सहायता दी जा रही है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को निम्नानुसार मात्रा में 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

आटा – 10 कि.ग्रा., चावल – 2 कि.ग्रा., दालें – 1.5 कि.ग्रा., खाद्य तेल – 1 कि.ग्रा., शक्कर – 1.5 कि.ग्रा., मसाले (धनिया, मिर्च, हल्दी) – 500 ग्रा., नमक – 1 कि.ग्रा., साबून – 2, नकद राशि – रु. 300 (शाक – सब्जी के लिए)
खाद्य – सहायता व्यय – रु.1500 प्रतिव्यक्ति, प्रतिमाह

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

शास्त्रों में कहा गया है - **अन्नदानं महादानम्**, अर्थात् - अन्न या अन्न के निमित्त दान सबसे बड़ा दान है।

खाद्य - सामग्री सहायता से लाभान्वित बुजुर्ग बन्धु

हेमा मीणा
बिलोदा

कुरी बाई
सिहाड

नवली मीणा
खेरवाड़ा

देऊ गाडरी
वरणी

नाना डाल
रूण्डेडा

देवा भील
भाना खेड़ी

गौरी योजना - निराश्रय विधवाओं को नकद सहायता

(निराश्रय विधवा महिलाओं को प्रतिमाह नकद आर्थिक सहायता)

भारतीय परिवार जिस एक धुरी पर केन्द्रित है, वह है घर की महिला, चाहे वह माँ हो या पत्नी। लेकिन, कभी कभी ऐसा संकट आता है कि यह धुरी डगमगा जाती है। पति की असमय मृत्यु, ससुराल द्वारा घर से निकाले जाने के बाद मायके द्वारा नहीं अपनाना, वृद्धावस्था, बीमारियों से ग्रसित होने पर बच्चों द्वारा तिरस्कार...

ये कुछ ऐसी परिस्थितियाँ हैं, जो एक स्त्री को असहाय अबला बना देती है।

ऐसी ही कुछ असहाय महिलाओं को सम्बल प्रदान करने के लिए एक छोटी सी सहायता देना चाहते हैं, आपकी मदद से, सद्भावना से.....

गौरी योजना दान-सहयोग राशि, प्रति महिला प्रति माह - 1000 रु.
3000 रु. (3 माह), 6000 रु. (6 माह), 12000 रु. (एक वर्ष)

गौरी योजनान्तर्गत लाभान्वित महिलाएँ

नाम	आयु	स्थान	नाम	आयु	स्थान
श्रीमती इन्द्रा पाहुजा	42 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती रमीला	40 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती लक्ष्मी देवी	60 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती कृष्ण	40 वर्ष	सिरसा (हरियाणा)
श्रीमती कंकु बाई	40 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती सवीता देवी	34 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती समता राठौड	36 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती भिकनी देवी	40 वर्ष	कोडरमा (झार.)
श्रीमती निर्मला	23 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती राधा बाई	51 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती गिरजा गुर्जर	45 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती नाथीबाई जोगी	37 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती हर्षा देवी	28 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती बसन्त बाई	36 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती संध्या हरकावत	44 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती थावरी मीणा	63 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती शर्मीला पंचाल	23 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती लाली बाई माली	83 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती प्रेमबाई महात्मा	41 वर्ष	राजसमन्द (राज.)	श्रीमती सुशीला श्रीमाली	26 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती दुर्गा आचार्य	40 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती सुमित्रा जैन	41 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती प्रर्मिला भेरविया	43 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती सुमित्रा आचार्य	36 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती बबली गुर्जर	36 वर्ष	गौतमबुद्ध नगर (यूपी)	श्रीमती गीता देवी	45 वर्ष	अजमेर (राज.)
श्रीमती कामिणी शर्मा	29 वर्ष	गाजियाबाद (यू.पी.)	श्रीमती मंजू देवी	54 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती पुष्पा सिंह	31 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती गुलाब बाई	85 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती संतोषी बाई	36 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती प्यारी देवी	63 वर्ष	पाली (राज.)
श्रीमती प्रेम बाई	37 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती सोहन कँवर	33 वर्ष	उदयपुर (राज.)
श्रीमती साधना सहलोत	44 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती पदमा कुँवर	25 वर्ष	प्रतापगढ़(राज.)
श्रीमती कंकु बाई	37 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती गंगा देवी सालवी	40 वर्ष	प्रतापगढ़(राज.)
श्रीमती शारदा	75 वर्ष	ठाणे (मुम्बई)	श्रीमती कमला कुँवर	25 वर्ष	प्रतापगढ़(राज.)
श्रीमती बंशी बाई	36 वर्ष	सिरसा (हरियाणा)	श्रीमती आनन्द कुँवर	30 वर्ष	प्रतापगढ़(राज.)
श्रीमती शारदा मेघवाल	40 वर्ष	उदयपुर (राज.)	श्रीमती दुर्गा देवी	25 वर्ष	प्रतापगढ़(राज.)
श्रीमती थावरी मीणा	63 वर्ष	उदयपुर (राज.)			

डॉ. कैलाश मानव का 'तारा' में भव्य स्वागत

नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट) उदयपुर के संस्थापक एवं मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. कैलाश 'मानव' तथा कोषाध्यक्ष एवं ट्रस्टी श्रीमती कमला देवी अग्रवाल 27 दिसम्बर, 2012 को 'तारा संस्थान' में पधारे । अपने आशीर्वाद से अंकुरित 'तारा' के प्रवेश द्वार पर पहुँचने पर तारा परिवार ने डॉ. 'मानव' तथा श्रीमती कमला देवी का भव्य एवं भावभीना स्वागत किया। 'तारा' की संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में 'तारा' की प्रेरणा और आशीर्वाद के लिए डॉ. 'मानव' के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और नारायण सेवा में रहते हुए विगत 25 वर्षों में आपके मार्गदर्शन में सीखे हुए सेवाकार्य व आपके बताए हुए सेवा-पथ पर 'तारा संस्थान' परिवार द्वारा पूरी निष्ठा से चलते रहने की प्रतिबद्धता प्रकट की। 'तारा' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपेश मित्तल ने कहा कि कार्य सम्पादन में कुशलता की सीख उन्हें डॉ. 'मानव' सा. से ही मिली है। श्री विजय सिंह चौहान ने बताया कि डॉ. 'मानव' की उपस्थिति का अहसास ही सेवा-भावों को स्फूर्त बना देता है।

डॉ. कैलाश 'मानव' ने अपने प्रत्युद्‌बोधन में कहा कि अपने शैशव के प्रारंभिक दिनों में ही 'तारा' ने सेवा के क्षेत्र में जो विस्मयकारी प्रगति की है, यह परम सन्तोष का विषय है। आपने 'तारा' की सतत प्रगति की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ज्यों-ज्यों सेवा कार्यों के बल पर 'तारा' का यश फैलेगा, अधिकाधिक दानदाता सहयोग के लिए आगे आएँगे। आपने दान-दाताओं का आह्‌वान किया कि वे दान-सहयोग से तारा के मानवीय सेवा-प्रकल्पों में अपना योगदान करें। श्रीमती कमला देवी अग्रवाल ने आशा व्यक्त की कि सेवा के माध्यम से 'तारा' शीघ्र ही अपनी उज्ज्वल पहचान में सफल होगा। डॉ. 'मानव' ने मोतियाबिन्दग्रस्त रोगी बन्धुओं एवम् आनन्द वृद्धाश्रम में बुजुर्ग बन्धुओं से बात की और शुभकामनाएँ दी।

हमारे अतिथि.....

इंग्लैण्ड में लेस्टर स्थित 'भारत वेल्फेअर ट्रस्ट' के संचालक श्री कान्ति भाई उन्नडकांत का 26 नवम्बर, 2011 को तारा संस्थान में स्वागत अभिनन्दन किया गया। श्री कान्ति भाई ने 'तारा' के सेवा प्रकल्पों की जानकारी प्राप्त की तथा मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियों की कुशल-क्षेम पूछी।

मारूति ट्रस्ट, लेस्टर (इंग्लैण्ड) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री बच्चू भाई कोटेचा एवं सदस्य श्री जयन्ती भाई पटेल तथा रंजन बेन पटेल दिनांक 10 दिसम्बर, 2011 को तारा संस्थान में पधारे व 'तारा नेत्रालय' में सम्पन्न हो रहे मोतियाबिन्द ऑपरेशन के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की, तथा मोतियाबिन्द का ऑपरेशन करवा चुके रोगी बंधुओं से वार्ड में जाकर कुशल क्षेम पूछी।'तारा संस्थान'की संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया एवं मुख्य कार्यकारी श्री दीपेश मित्तल ने अतिथियों को 'तारा' के सेवा-प्रकल्पों से अवगत कराया।' इससे पूर्व 09 दिसम्बर, 2011 को 'मारूति ट्रस्ट' लीस्टर के सौजन्य से गांव कठार में 'मोतियाबिन्द जाँच, ऑपरेशन हेतु चयन शिविर'का आयोजन किया गया।शिविर में जाँच के पश्चात् ऑपरेशन के लिए चयनित रोगियों के'तारा नेत्रालय'में मोतियाबिन्द के नि:शुल्क ऑपरेशन करवाए गए।

श्री हॅसमुख भाई गोहिल, लंदन (इंग्लैण्ड) के 16 दिसम्बर, 2011 को 'तारा संस्थान' में पधारने पर माल्यार्पण एवं पागड़ी से स्वागत सम्मान किया गया। आपने 'तारा' के सेवा प्रकल्पों की जानकारी प्राप्त की और संतोष व्यक्त किया। श्री हॅसमुख भाई गोहिल के सौजन्य से 'तारा' द्वारा आदिवासी बहुल क्षेत्र स्थित गांव - धार में मोतियाबिन्द जाँच शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में चयनित 12 रोगियों के'तारा नेत्रालय'में मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए।

श्री कुलभूषण राय पाराशर, लंदन, (इंग्लैण्ड) ने 21 दिसम्बर, 2011 को तारा संस्थान का भ्रमण किया।'तारा'में पधारने पर श्री पाराशर का स्वागत सम्मान किया गया। आपने तारा द्वारा पीड़ित बन्धुओं की सेवार्थ चलाये जा रहे सेवा-कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवा चुके रोगी बन्धुओं से भेंटकर उनकी कुशल क्षेम पूछी।

नैरोबी (केन्या) के श्री सूर्यकान्त भाणजी भाई छाला ने दिनांक 24 दिसम्बर, 2011 को सपरिवार 'तारा संस्थान' का - अवलोकन किया और 'तारा नेत्रालय' वार्ड में मोतियाबिन्द ऑपरेशन के बाद विश्राम कर रहे रोगी बन्धुओं की कुशल-क्षेम पूछी।आपने'तारा'के विविध सेवा प्रकल्पों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

'अग्रवाल सखी मंच' नासिक का सराहनीय योगदान

'तारा संस्थान' उदयपुर द्वारा मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियों के नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए स्थान-स्थान पर आयाोजित किये जा रहे मोतियाबिन्द जाँच - चयन शिविरों की कड़ी में नासिक (महाराष्ट्र) स्थित ''अग्रवाल सखी मंच'' के सौजन्य से दिनांक 21 नवम्बर, 2011 को एक विशाल शिविर का भव्य आयोजन किया गया। 'सखी मंच' के सक्रिय योगदान के फलस्वरूप शिविर में सुप्रसिद्ध नेत्र रोग चिकित्सक डॉ. सचिन कासलीवाल, डॉ. पी.पी. जैन, डॉ. अश्विनी एवं डॉ. संध्या द्वारा 275 रोगियों की नेत्र - जाँच की गई व 50 रोगियों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन के योग्य पाया गया, जिनके 'नेत्र ज्योति हॉस्पीटल' नासिक में नि:शुल्क ऑपरेशन सम्पन्न हुए।

मुख्य अतिथि के रूप में नासिक के सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री अशोक कटारिया, श्री नेमीचन्द पोद्दार, श्री ताराचन्द गुप्ता, पूर्व विधायक श्रीमती निशिगन्धा मुगल सहित अग्रवाल समाज के गण्यमान्य सदस्यों व सम्भ्रान्त नागरियों ने अपनी उपस्थिति से शिविर की शोभा बढ़ाई। अग्रवाल सखी मंच की अध्यक्ष श्रीमती अलका पाटोदिया ने शिविर के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। शिविर में अग्रवाल, सखी मंच की उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा एन. सिंघानिया, सचिव प्रीति टिबरेवाल, श्रीमती मृदुला मानसिंघा, राखी अग्रवाल, टीना पोद्दार, मीरा अग्रवाल, साक्षी पाटोदिया, सुरुचि पोद्दार, सुनीता बटवाल, मनीषा अग्रवाल सहित सभी अग्रवाल सखी मंच सदस्याओं का सराहनीय योगदान रहा।

इस अवसर पर 'तारा' प्रतिनिधि श्री विजय सिंह चौहान, निदेशन (प्रशासन) ने शिविर आयोजन में सराहनीय योगदान के लिए 'अग्रवाल सखी मंच' नासिक के प्रति 'तारा संस्थान' उदयपुर की ओर से

हार्दिक कृतज्ञता प्रकट की। शिविर की विभिन्न व्यवस्थाओं की देखरेख के लिए संस्थान के साधक श्री जिम्मी सोनी, श्री दिनेश सिसोदिया, श्री विनय जैन, श्री गणपत एवं श्री कैलाश ने प्रशंसनीय कार्य किया।

डॉ. कैलाश 'मानव' को जन्म दिन पर तारा संस्थान की शुभकामनाएँ

'तारा संस्थान' परिवार ने 02 जनवरी, 2012 को संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल के नेतृत्व में नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर के संस्थापक एवं प्रबन्धन्यासी डॉ. कैलाश 'मानव' को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। 'तारा' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपेश मित्तल एवं निदेशक (प्रशासन), श्री विजय सिंह चौहान ने डॉ. कैलाश 'मानव' के मार्गदर्शन में कार्य करने के अनुभवों का भावभरे शब्दों में उल्लेख करते हुए डॉ. 'मानव' के पूर्ण आरोग्य व दीर्घ जीवन की मंगलकामनाएँ कीं। डॉ. कैलाश 'मानव' ने 'तारा' परिवार को अपना आशीर्वाद दिया और सेवा-पथ से कभी भी विचलित नहीं होने का परामर्श दिया। आपने कहा कि सभी सेवा-धर्मियों को परस्पर सद्भाव और सम्मान बनाये रखते हुए पीड़ितों की सेवा में एकजुट होकर आगे बढ़ना चाहिये, क्योंकि पीड़ितों की सेवा ही ईश्वर की आराधना है।

भागवत कथा आयोजित

मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियों के नि:शुल्क ऑपरेशन हेतु तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा विदिशा (म.प्र.) में आयोजित जाँच-चयन शिविर के असवर पर 'महाराणा प्रताप राजपूत समाज विकास समिति विदिशा' के सौजन्य से दिनांक 14-20 नवम्बर, 2011 के मध्य सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। व्यासपीठ से अपने प्रवचनों में महन्त सुश्री प्रियंका बाबाजी ने भगवान श्री कृष्ण की जीवन लीलाओं का रोचक शैली में वर्णन किया और श्रोताओं से पीड़ित मानवता की सेवा में तन-मन-धन से सहयोग करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के वित्तमन्त्री श्री राघव जी भाई ने संस्थान के साधकों से 'तारा' के सेवा-प्रकल्पों की जानकारी प्राप्त की और सेवा - कार्यों के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त की। तारा संस्थान के साधक श्री प्रकाश आचार्य ने शिविर प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएँ दीं।

दानदाताओं के प्रति आभार

दान-दाताओं से सादर अनुरोध है कि दान-सहयोग के साथ अपना फोटोग्राफ भी 'तारांशु' में प्रकाशनार्थ प्रेषित करने की कृपा करें।

श्री देव नारायण एवं श्रीमती मोहिनी देवी वैद
जयपुर

श्री एवं श्रीमती पेमा राम जी सुथार,
जोधुपर

श्री एवं श्रीमती दिनेश जी
अम्बाला

श्री मुकेश एवं श्रीमती मीनु अग्रवाल
श्वरसिया (छत्तीसगढ़)

श्री एवं श्रीमती वीरेन्द्र शर्मा
दिल्ली

श्री विनोद चन्द्र एवं श्रीमती माधुरी श्रीवास्तव
इलाहाबाद

श्री रतन चन्द्र एवं श्रीमती सुरज कँवर मेहता
जोधपुर

श्री सुरेन्द्र एवं श्रीमती कमलेश गर्ग
जयपुर

श्री अनिल वेर्दिया

सुश्री अदिति वेर्दिया

श्री आनन्द प्रकाश
रामगढ़

श्रीमती चुकी देवी
जोधपुर

श्री सोहन लाल गहलोत
जोधपुर

श्री राम स्वरुप मालानी
जोधपुर

सुश्री देवी आवकराय गोलानी
मुम्बई

श्री पुलित राऊत

श्रीमती नियती राऊत

श्रीमती प्रिती आहुआ
दिल्ली

श्री प्रदीप मोहन माथुर
जयपुर

श्री पुंजन पिता देवेन्द्र पारीख
मुम्बई

श्री निखिल गर्ग
जयपुर

श्रीमती मीरा मलिक
बनारस

श्री मनोज कुमार मिश्रा
कानपुर

श्री मखतुर मल जी गांग
जोधपुर

स्व. श्रीमती संतोष मित्तल
पति श्री रमेश चन्द्र मित्तल

स्व. श्रीमती सावित्री पति
श्री घनश्याम दास सच्चा नन्दनी

स्व. श्री किशन आवल राय
गोलानी

श्री एवं श्रीमती कमलेश जी शर्मा
अम्बाला

श्री कबूल सिंह नर्बदा झाड
गुड़गाँव

श्री जमना दास अजमेरा
जयपुर

श्रीमती सुमन जी माथुर
नयापुर

श्रीमती रानी जी परवानी
जोधपुर

श्री एस.के. अग्रवाल
मेरठ (यू.पी.)

श्री मुकेश आर्य
इलाहाबाद

श्रीमती कलावती देवी
इलाहाबाद

तारा के सेवा कार्यों की झलकियाँ...

करनाल शिविर में (दाएँ से) श्री नरेन्द्र जैन, श्री अभय राम जैन व श्री सुशील गर्ग का स्वागत करते हुए श्री विनय जैन

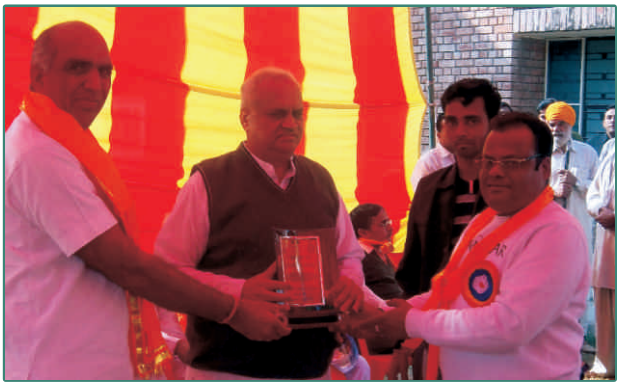

फतेहाबाद शिविर के अवसर पर (दाएँ से) श्री प्रवीण मोढ़ी, युवा अग्रवाल सभा अध्यक्ष, श्री देवीलाल तायल, अग्रवाल सभा प्रधान एवं श्री राम सिंह राव

नासिक शिविर में अग्रवाल सखी मंच के पदाधिकारी व अतिथि, समारोह मंच पर

श्री विजय गर्ग (गुड़गाँव) का तारा की ओर से सम्मान

जगत शिविर के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रमेश चन्द्र मित्तल (मध्य में कुर्सी पर)

मोतियाबिन्द चिकित्सा - ऑपरेशन

अब तक आयोजित शिविर	32
अब तक सम्पन्न ऑपरेशन	1513
अब तक तारा नेत्रालय में सम्पन्न ऑपरेशन	280
अब तक रोगियों को वितरित चश्मे	256

मोतियाबिन्द ऑपरेशन के बाद प्रसन्न भाव में रोगी बन्धु

'तारांशु' (हिन्दी मासिक) दिसम्बर, 2011 - जनवरी 2012, स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक कल्पना गोयल के लिए न्यू ट्रेक प्रेस, उदयपुर में मुद्रित

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प

नेत्र चिकित्सा सेवा

मोतियाबिन्द ऑपरेशन

तृप्ति योजना सेवा

निराश्रय बुजुर्गों को खाद्य सामग्री

गौरी योजना सेवा

निराश्रय विधवाओं को नकद सहायता राशि

आपसे प्रार्थित, अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु. 02 ऑपरेशन - 6000 रु. 05 ऑपेरशन - 15000 रु. 07 ऑपरेशन - 21000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 माह - 1500 रु. 03 माह - 4500 रु. 06 माह - 9000 रु. 01 वर्ष - 18000 रु.

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 माह - 1000 रु. 03 माह - 3000 रु. 06 माह - 6000 रु. 01 वर्ष - 12000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 माह - 5000 रु. 03 माह - 15000 रु. 06 माह - 30000 रु. 01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., आजीवन सदस्य 11000 रु. (संचितनिधि में)

आपके दान - सहयोग से लाभान्वित रोगियों के फोटो, नाम, पता आदि का विवरण आपको प्रेषित किया जायेगा।

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन

कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा
अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406
HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273

कृपया 'तारा' के सेवा प्रकल्पों का 'पारस' चैनल पर प्रसारण देखें - सोमवार से शुक्रवार, रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

बुक पोस्ट

Tara
ज्योतिर्मय जीवन

तारा संस्थान

236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी,
उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com,
tara_sansthan@rediffmail.com
Website : www.tarasociety.org